सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु प्रथम प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

V 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। V सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। V उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। V उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. आगम किसे कहते हैं?
प्र. 2. आगम के छह विशेषण कौन-से हैं?
प्र. 3. आगम के उपदेश में नयार्थ का अर्थ क्या है?
प्र. 4. आगम पद्धति किसे कहते हैं?
प्र. 5. शास्त्र अध्ययन व वीतराग की देशना का पात्र कौन है?
प्र. 6. धर्मोपदेष्टा के कौन-कौन-से गुण होते हैं?
प्र. 7. श्रोता का लक्षण क्या है?
प्र. 8. जिनवाणी में उपदेश की पद्धति को क्या कहते हैं?
प्र. 9. एक पुरुष या त्रेसठ शलाका पुरुषों का कथन किस अनुयोग में होता है?
प्र.10. त्रेसठ शलाका पुरुष कब उत्पन्न होते हैं?
प्र.11. जो भव्य जीवों को संसार पार लगावे उसे क्या कहते हैं?
प्र.12. पुरुषार्थ का वास्तविक शाब्दिक अर्थ क्या है?
प्र.13. काम-पुरुषार्थ को पुरुष कैसे सार्थक बनाता है?
प्र.14. मोक्ष पाने के लिए कौन-सा पुरुषार्थ किस तरह करना चाहिए?
प्र.15. ऋषभ देव तीर्थंकर ने मनुष्यों को कौन-कौन-सी शिक्षाएँ दीं?
प्र.16. कल्पवृक्ष का लक्षण क्या है?
प्र.17. कुलकर या मनु किन्हें कहते हैं?
प्र.18. शलाका पुरुषों का मोक्ष-प्राप्ति सम्बन्धी नियम क्या है?
प्र.19. भोग-भूमि के जीव मरणोपरान्त कौन-सी गति को प्राप्त करते हैं?
प्र.20. धर्म-पुरुषार्थ में कौन-कौन-से प्रमुख कार्य करना चाहिए?

आधार : आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-'**आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन मंथन कर उत्तर पुस्तिका की पूर्ति करे।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेन बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. प्रथम तीर्थंकर के समय सौधर्मेन्द्र अयोध्या की रचना किस तरह से करता है?
प्र. 2. निर्मल सम्यग्दृष्टि को किस तरह की भावना से तीर्थंकर प्रकृति का बंध होता है?
प्र. 3. तीर्थंकरों की जन्म-नगरी अयोध्या के विभिन्न नाम बतलाइये?
प्र. 4. महाराजा वृषभदेव के निवास भवन का नाम क्या था?
प्र. 5. महाराजा नाभिराज के निवासार्थ कौन-से भवन की रचना की गई थी?
प्र. 6. ऋषभदेव ने मुनि-दीक्षा किस तरह के वैराग्य भाव से धारण की थी?
प्र. 7. रत्नों से सम्पन्न तीर्थंकरों के लिए देवों द्वारा रत्नों की वर्षात् क्यों की गई?
प्र. 8. तीर्थंकर मुनिराज के पास पिच्छिका और कमण्डलु क्यों नहीं होते?
प्र. 9. दीक्षा धारण के पीछे ऋषभदेव तीर्थंकर का क्या प्रयोजन था?
प्र.10. तीर्थंकरों के जन्माभिषेक हेतु क्षीरसागर का जल ही क्यों सुयोग्य माना गया है?
प्र.11. स्वयंभू यह विशेषण तीर्थंकरों के लिए क्यों लगाया जाता है?
प्र.12. अकृत्रिम जिनालयों की प्रतिमायें कब-से व किन-से प्रतिष्ठित रहती हैं?
प्र.13. सुदर्शन मेरु पर्वत पर चारों वनों सम्बन्धी कितने-कितने प्रतिमायें होती हैं?
प्र.14. कौन-से परमेष्ठी की प्रतिमाएँ अकृत्रिम जिनालयों में रहती हैं?
प्र.15. पंच मेरु सम्बन्धी कितने जिनालयों में कितनी-कितनी प्रतिमायें होती हैं?
प्र.16. अकृत्रिम जिनालयों की प्रतिमायें किस आकार, रूपादि वाली होती हैं?
प्र.17. ऐरावत गज पर विराजित कर मेरु पर ले जाते समय प्रभु की इन्द्र किस तरह सेवा करता है?
प्र.18. शची इन्द्राणी तीर्थंकर प्रभु की किस तरह की सेवा कर सातिशय पुण्यार्जन करती है?
प्र.19. प्रथम मेरु पर्वत कहाँ पर स्थित है और किस विशेषता को धारण करता है?
प्र.20. तीर्थंकर को जन्म देने वाली माता की सेवा कितनी व कौन-कौन-सी देवियाँ करती हैं?

आधार: आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-'**आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु तृतीय प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. तीर्थंकर ऋषभदेव के साथ कितने हजार राजाओं ने दीक्षा ली थी?
प्र. 2. तीर्थंकर ऋषभदेव ने दीक्षा लेते ही कितने माह का योग धारण किया था?
प्र. 3. भ. आदिनाथ के लिए विधिवत् आहार कितने दिनों के बाद कब प्राप्त हुआ ?
प्र. 4. तीर्थंकर केवली की दिव्य-ध्वनि कितनी भाषाओं में खिरती है?
प्र. 5. समवसरण में प्राणियों के लिए कौन-सी बाधाएँ उत्पन्न नहीं होती?
प्र. 6. तीर्थंकर ऋषभदेव के समवसरण में कितने श्रुतकेवली विराजमान थे?
प्र. 7. समवसरण में एक अपेक्षा से ग्यारह भूमियाँ कौन-सी होती हैं?
प्र. 8. सौधर्मेन्द्र ने किस देव को ऐरावत गज बनने हेतु आज्ञा प्रदान की थी?
प्र. 9. विदेह क्षेत्रस्थ तीर्थंकरों के समवसरण का विस्तार कितना होता है?
प्र.10. तीर्थंकर ऋषभदेव का कर्मभूमि की व्यवस्था में कितना गृहस्थ जीवन व्यतीत हुआ?
प्र.11. तीर्थंकर ऋषभदेव मुनीश्वर के छदमस्थ अवस्था में कितने वर्ष व्यतीत हुए?
प्र.12. केवलज्ञान होते ही तीर्थंकर धरातल से कितने ऊपर उठ जाते हैं?
प्र.13. साक्षात् तीर्थंकर केवली के दर्शन कौन-से जीवों को नहीं हो पाते?
प्र.14. सेविका रूप विद्याएँ गृहस्थों के जीवन में कौन-सी अवस्था तक रह सकती हैं?
प्र.15. संयमी जनों द्वारा असंयमी देवी-देवताओं को रखना कौन-सा अनर्थ है?
प्र.16. भ. आदिनाथ के लिए राजा श्रेयांस ने किन नव विधियों से आहार दिया था?
प्र.17. तीर्थंकर ऋषभदेव का प्रथमाहार किस नगर में किसके द्वारा सम्पन्न हुआ?
प्र.18. तीर्थंकर दीक्षा लेते ही कितनी ऋद्धियों के स्वामी हो जाते हैं?
प्र.19. भरत चक्रवर्ती ने राजाश्रेयांस को क्यों और कौन-से तीन विशेषणों से पुकारा था?
प्र.20. भ. आदिनाथ के साथ कितने मुनियों ने सिद्धालय की ओर गमन किया था?

आधार : आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-'**आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका को पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु चतुर्थ प्रश्न पत्र

समय : 3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. भगवान बाहुबली के लिए मोक्ष की प्राप्ति किसके पूर्व व किसके बाद हुई थी?
प्र. 2. बलभद्र महापुरुष किन्हें कहते हैं?
प्र. 3. कामदेव बाहुबली और अनन्तवीर्य ने मोक्षपथ किस कारण अपनाया था?
प्र. 4. कामदेव महापुरुष किन्हें कहते हैं?
प्र. 5. नारायण और प्रतिनारायण में क्या विशेषता होती है?
प्र. 6. नारायण महापुरुष किन्हें कहते हैं?
प्र. 7. चक्रवर्ती महापुरुष कौन कहलाते हैं?
प्र. 8. चक्रवर्ती के दशांगभोग कौन-से हैं?
प्र. 9. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों के नाम क्या हैं?
प्र.10. चक्रवर्ती के चूड़ामणि रत्न की क्या विशेषता है?
प्र.11. चक्रवर्तियों की नवनिधियाँ कौन-सी थीं?
प्र.12. चक्रवर्तियों की नव निधियों का आकार व प्रमाण कैसा था?
प्र.13. चक्रवर्ती की नवनिधियों की रक्षा कौन करता है?
प्र.14. चक्रवर्ती की सर्व-रत्न निधि क्या फल देती है?
प्र.15. राजाओं के चार कर्त्तव्य कौन-से होते हैं?
प्र.16. चक्रवर्ती के अधीनस्थ कितने देश होते हैं?
प्र.17. चक्रवर्ती के राज्य में कितनी गौ-शालाएँ होती हैं?
प्र.18. चक्रवर्ती के शंख, भेरी, पटहों की संख्या व उनकी शब्द-श्रवण दूरी कितनी होती है?
प्र.19. भरत चक्रवर्ती के कौन-से पुत्र ने मिथ्यामत के प्रचार से भवभ्रमण कर कब मोक्ष पाया था?
प्र.20. भरत चक्रवर्ती के 923 पुत्रों ने मोक्ष पुरुषार्थ को किस तरह सफल बनाया था?

आधार : आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-'आगम-अनुयोग', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

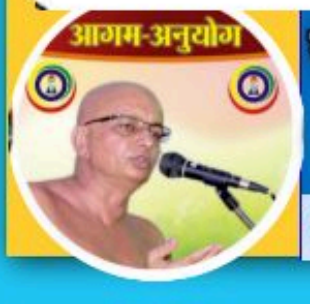

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु पंचम प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. योजन किसे कहते हैं?
प्र. 2. अंगुल के प्रकार बताइये?
प्र. 3. सागरोपम और सागर किसे कहते हैं?
प्र. 4. राजू की उपमा क्या है?
प्र. 5. पल्य के कितने भेद हैं?
प्र. 6. युग किसे कहते हैं?
प्र. 7. पूर्व किसे कहते हैं?
प्र. 8. अन्तर्मुहूर्त्त किसे कहते हैं?
प्र. 9. अर्धपुद्गल परिवर्तन काल को अनन्त क्यों कहा है?
प्र.10. संख्यात, असंख्यात और अनन्त के उदाहरण क्या हैं?
प्र.11. समय किसे कहते हैं?
प्र.12. घन क्षेत्र फल किसे कहते हैं?
प्र.13. व्यास या परिधि किसे कहा जाता है?
प्र.14. घनमूल किसे कहते हैं?
प्र.15. वर्गमूल क्या कहलाता है?
प्र.16. परिकर्माष्टक किन्हें बोलते हैं?
प्र.17. गुणकार किसे कहते हैं?
प्र.18. भागहार किसे कहा जाता है?
प्र.19. करणानुयोग का लक्षण क्या है?
प्र.20. लोक और अलोक किसे कहा जाता है?

आधार : आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित- 'आगम-अनुयोग', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु छटवां प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेन बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. लोक का मध्यभाग कौन-सा कहलाता है ?
प्र. 2. लोक कहाँ पर स्थित है?
प्र. 3. लोक की ऊँचाई कितनी है?
प्र. 4. सम्पूर्ण लोक को किसने बनाया?
प्र. 5. त्रसनाड़ी में त्रस जीवों से रहित स्थान कौन-कौन-सा है?
प्र. 6. त्रस नाड़ी कहाँ है और वह कितनी लम्बी, चौड़ी और ऊँची हैं?
प्र. 7. नरक और नारकी किसे कहते हैं?
प्र. 8. रत्नप्रभा नामक पृथ्वी के कितने भाग हैं?
प्र. 9. कौन-कौन-से जीव कौन-कौन-सी नरक पृथ्वियों में जन्म ले सकते हैं?
प्र.10. कौन-कौन-से जीव नरकों में जन्म नहीं लेते?
प्र.11. तीर्थंकर प्रकृति-बंध करने वाला जीव किस कारण नरक में जाता है ?
प्र.12. नरकों का वातावरण कैसा है?
प्र.13. नरकों से निकले नारकी किन-किन अवस्थाओं में पैदा नहीं होते हैं?
प्र.14. तीर्थंकर प्रकृति बंध वाला जीव कौन-सी नरक-पृथ्वी तक जा सकता है?
प्र.15. नरक से निकला जीव कौन-से पदों को धारण नहीं कर सकता है?
प्र.16. मानुषोत्तर पर्वत किसे कहते हैं?
प्र.17. सर्व द्वीप और समुद्रों के बीच में कौन-सा द्वीप किस आकार में स्थित है?
प्र.18. तीर्थंकर के गर्भ में आने के छह माह पूर्व नरक में उसकी स्थिति क्या होती है?
प्र.19. ढाई द्वीप किसे कहते हैं?
प्र.20. सर्व द्वीप और समुद्रों का विस्तार कितना है?

आधार :आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-' **आगम-अनुयोग** ', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु सांतवां प्रश्न पत्र

समय : 3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. स्वयंप्रभ पर्वत कहाँ पर स्थित है ?

प्र. 2. कहाँ, कौन, कब नंदीश्वर द्वीप में महापूजा किया करते हैं ?

प्र. 3. स्वयंभू रमण समुद्र में कौन-से जीव पाये जाते हैं ?

प्र. 4. ढाई द्वीप के बाहर स्वयंप्रभ पर्वत तक स्थित समुद्रों में कौन से जीव होते हैं?

प्र. 5. कल्पकाल किसे कहते हैं ?

प्र. 6. युग का प्रारम्भ किस काल में होता है ?

प्र. 7. भोग भूमि के मनुष्य किस कार्य से रहित होते हैं ?

प्र. 8. दुषमा-सुषमा (वर्तमान काल) कब प्रारम्भ हुआ ?

प्र. 9. द्वादशांग के ज्ञाता पांच श्रुतकेवली कौन थे ?

प्र.10. भ. महावीर के उपरान्त हुए तीन अनुबद्ध केवली प्रभु के नाम क्या थे ?

प्र.11. अन्तिम अंगाशधर श्रुत ज्ञाता कौन-से आचार्य थे ?

प्र.12. भोग भूमिज मनुष्य कौन-सी कलाओं में निपुण होते हैं ?

प्र.13. पुष्पदन्त और भूतबली नामक महान आचार्यों द्वारा रचित ग्रन्थ कौन सा है ?

प्र.14. दुषमा नामक इस पंचम काल में अन्तिम अवधिज्ञानी मुनि कौन होंगे ?

प्र.15. इस पंचम काल में कौन-से अन्तिम मुकुटबद्ध राजा ने मुनि दीक्षा ली थी ?

प्र.16. विजयार्ध इस नाम की सार्थकता क्या है ?

प्र.17. म्लेच्छ खण्डों एवं विजयार्ध पर्वत पर काल परिवर्तन का क्या नियम है ?

प्र.18. विदेह क्षेत्र में कौन-सी अशुभ स्थितियों का अभाव होता है ?

प्र.19. तीर्थकरों की एवं तीर्थंकर की माता की सेवा करने वाली देवियाँ कहाँ रहती हैं ?

प्र.20. भोग भूमि में प्राकृतिक सौन्दर्य किस तरह का होता है ?

आधार :आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-' **आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....

पिता/माता/पति का नाम .....

पता .....

.....

मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु आठवां प्रश्न पत्र

समय : .3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेन बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. वलयाकार स्वयंभूरमण समुद्र के आगे मध्यलोक में कौन-सी रचना व जीव होते हैं?
प्र. 2. सम्मूर्च्छन जीव का लक्ष्य क्या है?
प्र. 3. स्वयंभूरमण समुद्र में कौन-से एकेन्द्रिय जीव की कितनी उत्कृष्ट अवगाहना होती है?
प्र. 4. सर्व जघन्य शरीर किन जीवों का होता है?
प्र. 5. पृथक्त्व किसे कहते हैं?
प्र. 6. स्वयंभूरमण समुद्र में सबसे जघन्य अवगाहना वाला जीव कौन-सा है?
प्र. 7. बादर और सूक्ष्म जीवों का लक्षण क्या है?
प्र. 8. जिह्वा इन्द्रिय का आकार किस तरह का होता है?
प्र. 9. पृथ्वीकायिक जीवों का आकार किस तरह का होता है?
प्र.10. देवों में कौन-सा संस्थान पाया जाता है?
प्र.11. भवनवासी देवों का गमन किस निमित्त कहाँ तक होता है?
प्र.12. देव एक समय में कितनी दूरी तय कर सकता है?
प्र.13. असुरकुमार देव किस निमित्त कहाँ तक गमन करते हैं?
प्र.14. व्यन्तर देवों के निवास कहाँ पर होते हैं?
प्र.15. देवों का आहार किस तरह से और किस तरह का होता है?
प्र.16. भवनवासियों में असुरकुमार आदि देवों के मुकुटों में कौन-से चिह्न होते हैं?
प्र.17. देवगति के देव अत्यन्त शक्तिवान होते हैं तब वहाँ आत्मरक्ष क्यों होते हैं?
प्र.18. देवों के निवास स्थलों के नाम कौन-से होते हैं?
प्र.19. देवों की अपेक्षा मनुष्यों का शरीर उत्कृष्ट क्यों है?
प्र.20. देवों का दिव्य शरीर किस तरह निर्मित होता है?

आधार :आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-' **आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु नवम प्रश्न पत्र

समय : 3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. ज्योतिषी देवों का गमन किस गति से होता है?
प्र. 2. सूर्य, चन्द्रादि की किरणें किस स्वभाव वाली हैं?
प्र. 3. सूर्य में रहने वाले देव की आयु कितनी होती है?
प्र. 4. युग किसे कहते हैं, और युग का प्रारम्भ कब होता है?
प्र. 5. स्वर्ग की दूरी मध्यलोक से कितनी है?
प्र. 6. भरत क्षेत्र के तीर्थंकरों के आभूषण कौन-से स्वर्ग के मानस्तम्भ पर रहते हैं?
प्र. 7. वैमानिक देवों सम्बन्धी पटलों की संख्या कितनी है?
प्र. 8. स्वर्गों का सौधर्म आदि नाम क्यों है?
प्र. 9. ग्रैवेयक क्यों कहते हैं? या ग्रैवेयक का अर्थ क्या है?
प्र.10. सौधर्म आदि इन्द्रों की प्रधानदेवी की सहयोगी देवियाँ कितनी होती हैं?
प्र.11. स्वर्गों में देव दर्शन की क्या व्यवस्था होती है?
प्र.12. देव पर्याय में एक भव में मोक्ष जाने वाले कौन-कौन से भव्य जीव हैं?
प्र.13. अनुदिश एवं अनुत्तर विमानों में क्या सम्यग्दृष्टि ही जन्म लेते हैं?
प्र.14. सुख कितने प्रकार का होता है? नाम बतलाये?
प्र.15. तिर्यञ्च पर्याय में कौन-से देव उत्पन्न नहीं होते हैं?
प्र.16. संक्षेप-ओघ किसकी संज्ञा है?
प्र.17. चतुर्थ गुणस्थान में कौन-से भाव होते हैं?
प्र.18. सर्वार्थसिद्धि विमान से सिद्धशिला कितने ऊपर स्थित है?
प्र.19. अप्रमत्त गुणस्थान के कितने प्रकार हैं?
प्र.20. विसंयोजना किसे कहते हैं?

आधार :आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-'**आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)

प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु दसवां प्रश्न पत्र

समय : 3.. दिन | अंक : 100

❖ 20 प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न पर 5-5 अंक समान हैं। ❖ सभी प्रश्नों के उत्तर लाइन वाले पेपर्स पर पेरा बनाकर लिखें। ❖ उत्तर राष्ट्र-भाषा हिन्दी में ही लिखें। ❖ उत्तर लिखकर काटे जाने या घिसे जाने पर अंक नहीं दिये जावेंगे।

प्र.1. साकार उपयोग रूप ज्ञानोपयोग के कितने भेद होते हैं?
प्र. 2. दर्शनोपयोग के कितने भेद हैं?
प्र. 3. संज्ञी जीव की पहचान के चार हेतु कौन-से हैं?
प्र. 4. सम्यग्दर्शन की प्राप्ति में निमित्त पाँच लब्धियाँ कौन-सी हैं?
प्र. 5. भव्य जीव कितने प्रकार के होते हैं?
प्र. 6. आहारक शरीर का क्या लक्षण क्या है?
प्र. 7. कौन-से जीवों के शरीर निगोदिया जीवों से प्रतिष्ठित होते हैं?
प्र. 8. कार्मण काययोग में कौन-कौन-से गुणस्थान होते हैं?
प्र. 9. एक निगोदिया जीव में कितने जीवों का निवास होता है?
प्र.10. नित्य निगोदिया और इतर निगोदिया जीवों के संसार भ्रमण का काल कितना होता है?
प्र.11. कौन-सी गति में कितने गुणस्थान होते हैं?
प्र.12. मार्गणा के कितने प्रकार हैं? नाम बताओ?
प्र.13. मार्गणा की परिभाषा क्या है?
प्र.14. भाव-प्राण कौन-से हैं?
प्र.15. प्राण की परिभाषा क्या है?
प्र.16. जीव की पहचान हेतु द्रव्य प्राण कौन-से हैं?
प्र.17. केवली भगवान कौन-सी नव लब्धियों के स्वामी होते हैं?
प्र.18. मुनिराज द्वारा उपशम श्रेणी कितनी बार प्राप्त की जा सकती है?
प्र.19. अनुभाग किसे कहते हैं?
प्र.20. सामायिक संयम किसे कहते हैं?

आधार :आचार्यश्री आर्जवसागर विरचित-' **आगम-अनुयोग**', (प्रश्नोत्तर प्रदीप)
प्रश्न पत्र के पूर्व में दिये गये प्रश्नोत्तरों को पढ़कर उनका चिंतवन-मंथन कर उत्तर-पुस्तिका की पूर्ति करें।

परीक्षार्थी परिचय

नाम..... उम्र .....
पिता/माता/पति का नाम .....
पता .....
.....
मोबाईल/फोन नं. .....

सम्यग्ज्ञान भूषण पदवी हेतु शिविर का आयोजन

आगम अनुयोग प्रश्नोत्तर प्रदीप

मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा- आचार्य गुरुदेव श्री आर्जवसागर जी महाराज